

MASTER OF ARTS (EDUCATION)

Term-End Examination

June, 2019

01272

**MES-112 : DESIGN AND DEVELOPMENT OF
SELF-LEARNING PRINT MATERIAL**

Time : 3 hours

Maximum Weightage : 70%

*Note : All questions are **compulsory**. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words :

Discuss the implications of the theories of Learning and Communication at cognitive levels for designing self-learning course material.

OR

Describe the process of course planning and development in distance education following the Systems Approach.

2. Answer the following question in about 600 words :

Explain how self-learning materials can promote effective learning by creating healthy and motivational activities.

OR

Describe the process of educational communication in distance education. Discuss its importance in development and presentation of self-instructional course material.

3. Answer any *four* of the following questions in about 150 words each :
- (a) What is cognitive approach to learning ? Elaborate its educational implications.
 - (b) Write a note on 'editing' and its importance in developing course material in distance education.
 - (c) Discuss the importance of 'language' for distance education materials.
 - (d) Establish the relationship between programmed instruction and self-learning material.
 - (e) Describe basic principles of media selection for instruction in distance education.
 - (f) Explain the terms 'learner-active' material and 'access devices' in a self-learning unit of distance education.
4. Answer the following question in about 600 words :
- (a) List the key components of self-learning material.
 - (b) Develop a self-learning unit on a topic of your choice, using all these components.
-

एम.ए. (शिक्षा)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2019

एम.ई.एस.112 : स्व-अध्ययन मुद्रित सामग्री की रूपरेखा
एवं विकास

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
स्व-अध्ययन पाठ्यक्रम सामग्री की रूपरेखा तैयार करने के संबंध में संज्ञानात्मक स्तरों पर अधिगम एवं संप्रेषण के सिद्धांतों के निहितार्थों की चर्चा कीजिए।

अथवा

दूर शिक्षा में पाठ्यक्रम नियोजन एवं विकास की प्रक्रिया का वर्णन, व्यवस्थागत दृष्टिकोण (Systems Approach) को ध्यान में रखते हुए कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
व्याख्या कीजिए कि स्व-अध्ययन सामग्रियाँ स्वास्थ्यकर एवं प्रेरणादायक क्रियाकलापों के सृजन द्वारा प्रभावी अधिगम को प्रोन्नत कैसे कर सकती हैं।

अथवा

दूर शिक्षा में शैक्षिक संप्रेषण (संचार) प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। स्व-अनुदेशी पाठ्यक्रम सामग्री के विकास एवं प्रस्तुति में इसके महत्त्व की चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :
- (क) अधिगम के संबंध में संज्ञानात्मक दृष्टिकोण क्या है ? इसके शैक्षिक निहितार्थों की विस्तार से व्याख्या कीजिए ।
 - (ख) 'संपादन' (editing) पर एक टिप्पणी और दूर शिक्षा की पाठ्यक्रम सामग्री विकसित करने में इसका महत्त्व लिखिए ।
 - (ग) दूर शिक्षा सामग्रियों के लिए 'भाषा' के महत्त्व की चर्चा कीजिए ।
 - (घ) योजनाबद्ध (programmed) अनुदेश और स्व-अध्ययन सामग्री के बीच संबंध स्थापित कीजिए ।
 - (ङ) दूर शिक्षा में अनुदेश के लिए मीडिया चयन के बुनियादी सिद्धांतों का वर्णन कीजिए ।
 - (च) दूर शिक्षा की एक स्व-अध्ययन इकाई में 'लर्नर-एक्टिव' सामग्री और 'एक्सेस डिवाइसिस' शब्दों को समझाइए ।
4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
- (क) स्व-अध्ययन सामग्री के मुख्य घटकों की सूची बनाइए ।
 - (ख) इन सभी घटकों का प्रयोग करते हुए अपनी पसंद की विषय-वस्तु पर एक स्व-अध्ययन इकाई विकसित कीजिए ।
-